

रिज्मना गहि दिवो वा रोचनादधि RV. 1,6,9,10. 6,16,13. 8,1,18. स नो विश्वा दिवो वसूतो पृथिव्या अधि । पुनान इन्दुवा भर 9,57,4. 8,8. Durch आ verstärkt: पितृमृतुरध्या ये समस्वरन् 9,73,5. प्रत्नान्मानाध्या 6. — γ) weg von, vor weg: धनोर्धि विपुणक्ते व्यापन् vor dem Bogen zersto- ben sie RV. 1,33,4. पतोति कुपट्टाध्या हूरं वतो वनादधि fern weg von der Kufe 29,6. हरमधि सुतेरेज 42,3. अर्ष कृत्वाधि (mit ग्रस्मत् zu ver- binden) हरमस्मत् AV. 8,7,14. त्रायंतो यद्मादधि 2. पारयामसि उरिता- दधि 19. मुच्ये रत्नेतो प्राक्षा अधि 2,9,1. 8,6,24. 11,10,1. RV. 1,139,2. ते अग्नेरवाधि गृहपतेरदित्यं काष्ठामकुर्वत sie machten von Agni an (aus- gehend) die Sonne zum Ziele des Wettlaufs At. Br. 4,7. — δ) von, aus (den Ursprung bezeichnend): तमिन्द्र बलादधि सहसो ज्ञात ओजसः RV. 10,153,2. मनसो अधि ज्ञातः 7,33,11. 4,164,18. Nir. 3,4. — ε) für, zu Gunsten: यमसि मेध्यातिथिः कार्ष्णं इध अस्तादधि RV. 1,36,11. नि तिग्मम्- भ्येषु सीद्द्वता मनावधि 8,61,2. — d) mit vorang. oder folg. loc. α) oben auf, über: अस्माकं व्युममधि पञ्च कृष्टिपृष्ठा स्वर्णं ग्रंथुचीत दुष्टम् RV. 2,2,10. उर्ध्वो ह्यस्यादध्यतारिते 30,3. न्यूङ्गयते अधि पक्व आनिषि 10,94,3. तोमो गौरी (loc.) अधि अतः 9,12,3. (vgl. P. 1,1,19, Sch. 6,1,36, Sch.) 1,80,6. 85,2,2,40,4. VS. 1,22. AV. 18,2,47. तस्या अस्यै त्वयदिदमस्याम- धि Çat. Br. 1,1,4,5. — β) über (die Herrschaft bezeichnend, अधिराश्वे P. 1,4,97. MED. avj. 39.): अधि पञ्चालेषु ब्रह्मदत्तः Br. herrscht über die Pañkāla's P. 1,4,97, Sch. 2,3,9, Sch. अधि ब्रह्मदत्ते पञ्चालाः soll das- selbe besagen; in dieser Verbindung müsste man also अधि durch unten übersetzen. So heisst auch अधि ह्यैर मुराः die Götter stehen unter Hari, sind ihm untergeordnet Vor. 5,31; vgl. अधिक 1, e. — γ) auf, in, an, Beziehungen, die in der späteren Sprache durch den blossen loc. bezeich- net zu werden pflegen: युवोर्विश्वा अधि अयः RV. 1,139,3. ज्ञायेव पत्या- वधि शेव मंक्ते 9,82,4. नैत्रया लक्ष्मीर्नैत्रिताधि वाचि 10,71,2. को अ- स्मिन्यज्ञमधोदेको देवो अधि पूरुषे AV. 10,2,14. 18,2,32. न वै श्वेतश्चाध्या- गारे ऽर्ह्निर्ज्ञान किं च न ऽय. GHJ. 2,3. अग्नौ ह्यधि धातृव्यं वर्धयेत् Çat. Br. 1,1,4,21. अध्यस्यो मामकी तनू (d. i. मामक्यो तन्वाम्) Kāc. zu P. 1,1, 19. — Vgl. अधस् am Ende.

2. अधि m. = अधि BHARATA zu AK. im ÇKDr.

3. अधि f. eine Frau zur Zeit der Katamenien H. 533. (v. l. अधि).

अधिक (von 1. अधि) P. 5,2,73. 1) adj. a) überschüssig, den Ueberschuss bildend, hinzukommend, mehr seiend: स्तुतशस्त्रे अधिके षोडशी चेत् Kāc. Çr. 10,7,12. अथाध्याः समाम्नायाधिकाः VS. Prāt. 1,32. तदस्मिन्नाधिकम् dies macht darin den Ueberschuss aus P. 5,2,45. एकादशाधिका अस्मि- ञ्क्ते in diesem Hundert ist ein Ueberschuss von eilf Sch. अधिकाक्षर eine überschüssige Silbe habend Nir. 7,13. अधिकदत्त Suçr. 2,127,4. अधिकाङ्गी M. 3,8. अधिक = अतिरिक्त H. 1449. आहारनिद्राभयमैयुनं च सामान्यमेतत्पशुभिर्नराणाम् । धर्मो हि तेषामधिका विशेषः Hit. Pr. 24. इत्याध्ययनदानानि वैश्यस्य क्षत्रियस्य च । प्रतिग्रहेऽधिका विप्रे याज- नाध्यापने तथा ॥ Jāc. 1,118. — b) das gewöhnliche Maass überschrei- tend, mit einem Ueberschuss versehen, überfließend, mehr oder grösser als gewöhnlich, gesteigert, vorzüglich, ausserordentlich: अधिकं न दोषाय über das Maass gereicht nicht zum Schaden Sāc. zu At. Br. 2,3. चतुरा- त्रादिष्वधिकम् (अधिका दत्तिणा देया) Kāc. Çr. 23,1,7. अत्ये ऽकन्याधिकाः (दत्तिणा देयाः) 11. सर्वमन्यूनाधिकम् vollständig, nicht zu wenig und nicht

अधिकाद्योजनात्पश्यतीहमिषं खगः aus einer Entfernung von mehr als 100 Jōjana's Hit. I,44. वर्षाणामधिकं शतम् BRAHMA-P. in L.A. 35,17. अ- धिकचत्वारिंशः P. 2,2,25, Sch. तस्मात्सिद्धेऽधिका (gesteigerte, hef- tige) ह्यो भवति Suçr. 1,36,20. सुते तु साधिका (निद्रा) eine gesteigerte निद्रा ist सुत H. 313. अधिकगुण adj. Suçr. 1,187,17. अधिककोध adj. Ragh. 12,90. Das den Ueberschuss oder Ueberfluss bezeichnende Wort steht im instr.: अग्न्याधिकाः PAÑKAT. I,33. geht im comp. voran: तनुवायो दशपलं दद्यादेकपलाधिकम् M. 8,397. एकाधिकं (d. i. 2 Theile) ह्येऽध्यष्टः 9,117. नवति नवाधिका (90 und 9) महाक्रतूनाम् Ragh. 3,69. द्यधिकं श- तम् 102 Kār. 7. aus Siddh. K. zu P. 7,2,10. द्यधिका दश 12 Vor. 6,35; vgl. Z. f. d. K. d. M. IV, 161, N. 1. नुडिडधिकेन durch नुद् oder इद् ver- stärkt P. 2,1,60, Vārt. 3. Auffallend ist die Verbindung एकमधिकं (= एकाधिकं) शतम् 101 N. 20,7. वयोऽधिकं vorgerückt in Jahren, bejahrt M. 4,141. R. 2,47,10. जवाधिक in der Geschwindigkeit sich auszeichnend H. 1234. मायाधिक in Zauberkünsten R. 6,82,174. भवनेषु रसाधिकेषु Çāc. 179. श्वासः प्रमाणाधिकः 29. — c) das höchste Maass erreichend, der vorzüglichste: विद्या नाम नरस्य द्वयमधिकम् v. l. zu Hit. Pr. 48. — d) überwiegend, überlegen, höher stehend, mehr, grösser, stärker, heftiger, vorzüglicher, mehr geltend: पुमान्युसो अधिके (überwiegend, mehr) शुक्रो स्त्री भवत्यधिके स्त्रियाः M. 3,49. यस्य त्रैवार्षिकं भक्तं पर्याप्तं भृत्यवृत्तये । अधिकं (mehr) वापि 11,7. समन्यूनाधिकभागाः gleiche, kleinere und grössere Theile Bṛhasp. in Dāc. 90,3. समन्यूनाधिकैर्धनैः Nārada ebend. 6. यो- जनाशतमधिकं (mehr) वा Suçr. 2,79,13. मन्यते केचिदधिकं (stärker) स्तेरं पुत्रे पितृर्नराः । कन्यायो केचिदपरे मम तुल्यावुभौ स्मृतौ ॥ Brāhmaṇ. 1,30. 31. अधिकं (mächtiger) मेनिरे विष्णु देवाः R. 1,73,19. नात्र शक्यं बलं ज्ञातुं तव वा तस्य वाधिकम् 4,9,95. ऊनं न सत्त्वधिका ववाधे das stärkere Thier that dem schwächern keine Gewalt an Ragh. 2,14. यो मित्रं कुरुते — आत्मनो ऽसदृशम् — हीनं वाप्यधिकं वापि PAÑKAT. II, 29. कस्याधिकं (grösser) पापं भविष्यति Vet. 27,19. एतेषां मध्ये कः सत्त्वाधिकः (überle- gen an Muth) 34,13. पवीयागुणतो अधिकः der an Tugenden überlegene jüngere Bruder M. 11,185. Häufig in Verbindung mit einem abl. wie ein compar.: यस्मादधिकम् P. 2,3,9. नाधिकं दशमादध्याच्छूद्रापुत्राय mehr als den zehnten Theil M. 9,154. कृतानुसारदधिका (वृद्धिः Zinse) 8,152. चत्वारिंशतो अधिकाः mehr als 40 P. 2,2,25, Sch. परार्थाधिका ह्येर्गुणाः 2,3,9, Sch. द्वयं पाञ्चाल्याः — बभूवाधिकमन्याभ्यः MBh. 1,7144. तपस्वि- भ्यो अधिका (höher stehend) योगी ज्ञानिभ्यो ऽपि मतो अधिकः । कर्मिभ्य- आधिका योगी Bhag. 6,46. ब्रह्म प्रदानेभ्यो अधिकं यतः Jāc. 1,212. अधिकं पुरवासादि मन्ये तव च दर्शनम् R. 2,93,12. PAÑKAT. I, 442. अर्थमुता परं दुःखमर्थप्राप्तौ ततो ऽधिकम् Brāhmaṇ. 1,18. Bhag. 6,22. M. 1,95. darüber hinausliegend, entfernter (von der Zeit): अतो अधिके ऽङ्गि Suçr. 2,293,5. केशातः षोडशे वर्षे ब्राह्मणस्य विधीयते । राजन्यवयोर्द्वादशे वैश्यस्य द्वा- धिके ततः (d. h. im 24sten Jahre) M. 2,65. Man findet अधिकं auch mit dem gen. verbunden: इष्वस्त्रे ऽप्यधिका रासः कार्तवीर्यस्य लक्ष्मणः R. 6, 24,28. न कुलेन न वृषेण न दान्तिणेन मैथिली । ममाधिका वा तुल्या वा 6,95,17. तत्रास्ति मे तवाप्यधिकः परमसुहृद् PAÑKAT. 114,9. mit dem instr.: सुतेर्हि तासामधिका (lieber, theurer) ऽपि सो ऽभवत् (Gorr. 2,43,32: तासो सुतेभ्यो ऽप्यधिका हि राघवः) 2,48,28. अधिका खारो द्रोणेन P. 5,